नईदुनिया

एक हजार सैनिकों की बर्खास्तगी नेतन्याहू को पड़ सकती है भारी

तेल अवीव

इज़राइली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने गाज़ा युद्ध की आलोचना करने के आरोप में करीब 1000 रिज़र्व सैनिकों की बर्खास्तगी का ऐलान कर दिया है। ऐसे में देश के हालात को देखते हुए कहा जा रहा है कि बहुत जल्द इसका परिणाम नेतन्याहू सरकार को भुगतना पड़ सकता है। युद्ध को लेकर देश में नेतन्याहू का विरोध पहले से हो रहा है, ऐसे में सैनिकों की बर्खास्तगी का मामला आग में घी डालने जैसा प्रतीत हो रहा है। वैसे भी इसे इज़राइली सेना में अब तक की सबसे बड़ी बर्खास्तगी मानी जा रही है, जो युद्ध के खिलाफ सार्वजनिक रूप से बोलने को कारण की गई है। यहां बताते चलें कि जिन सैनिकों को बड़ी संख्या में बर्खास्त किया गया उन सैनिकों ने नेतन्याहू सरकार के नाम एक सार्वजनिक पत्र लिख कर युद्ध से वापस लौटने को कहा था। इस पत्र में कहा गया था कि गाज़ा में जारी जंग अब सैन्य नहीं, बल्कि राजनीतिक मकसदों की पूर्ति कर रही है। उन्होंने युद्धविराम की मांग करते हुए कहा कि, यह लड़ाई न तो बंधकों को छुड़ा पा रही है और न ही हमास को खत्म कर रही है। इसके चलते सैनिक, बंधक और आम नागरिक मारे जा रहे हैं। इस सार्वजनिक पत्र पर सैकड़ों रिटायर्ड अफसरों और वायुसेना के रिज़र्व कर्मियों ने दस्तखत किए थे, जिसमें प्रसिद्ध रिज़र्व नेविगेटर अलोन गुर का नाम भी शामिल है। इससे नाराज नेतन्याहू सरकार ने एक हजार रिजर्व सैनिकों को बर्खास्त कर दिया। आईडीएफ के प्रवक्ता ने कहा कि यह बयानबाज़ी सैन्य अनुशासन और एकता के खिलाफ है। हमारी प्राथमिकता देश की सुरक्षा है। जब हम कई मोर्चों पर जूझ रहे हैं, तब ऐसे सार्वजनिक बयानों से हमारी एकता और सैन्य नीति कमजोर होती है। सेना प्रमुख ईयार जमीर और वायुसेना नेतृत्व ने यह निर्णय लिया।

न्यूज ब्रीफ

न्यूयार्क में प्लेन क्रेश, एक की मौत

न्यूयार्क। अमेरिका के न्यूयार्क में एक प्लेन क्रैश होने खबर आ रही है। इस प्लेन में दो लोग सवार थे, इनमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसा कोलंबिया काउंटी के कोपेक इलाके के पास हुआ। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के प्रवक्ता के मुताबिक विमान कोलंबिया काउंटी एयरपोर्ट की तरफ जा रहा था। लेकिन जैसे ही वह एयरपोर्ट से करीब कुछ ही दूर रहा होगा, तभी हादसा हो गया। विमान कीचड़ भरे खेत में जा गिरा। बताया जाता है कि विमान का हादसा शनिवार की शाम को हुआ, लेकिन जानकारी काफी देर बाद लगी। नेशनल टांसपोर्टेशन सुरक्षा बोर्ड हादसे की जांच के लिए टीम मौके पर भेजी है। लेकिन खराब मौसम और बर्फ के कारण बचाव टीम को मौके पर पहुंचने में काफी दिक्कत आ रही हैं।

यूक्रेनी दूतावास का दावा, भारतीय दवा गोदाम पर रुस ने दागी मिसाइल

कीव। भारत में यूक्रेनी दूतावास ने कहा कि रूस ने शनिवार को यूक्रेन में एक भारतीय दवा कंपनी के गोदाम पर मिसाइल दागी। सोशल मीडिया पर पोस्ट में यूक्रेनी दूतावास ने आरोप लगाया कि यद्यपि रूस, भारत के साथ दोस्ती का दावा करता है, लेकिन वह जानबूझकर यूक्रेन में भारतीय व्यवसाय को निशाना बना रहा है। यूक्रेनी दूतावास ने कहा कि यूक्रेन में भारतीय दवा कंपनी कुसुम के गोदाम पर रूसी मिसाइल दागी गई। रुस बच्चों और बुजुर्गों के लिए बनी दवाइयों को नष्ट कर रहा है ।

एक तरफ बातचीत का ऑफर दूसरी तरफ ईरान के खिलाफ तैनात एयरक्राफ्ट, फाइटर जेट्स और जवान

तेहरान। मध्य पूर्व की उथल-पुथल भरी धरती फिर हथियारों की गर्जना से गूंज रही है। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ जो सैन्य तैनाती शुरू की है, वह सिर्फ एक सामान्य डिफेंस स्ट्रैटजी नहीं, बल्कि ये एक चेतावनी है। अमेरिका ने जिस तरह से ईरान को घेरा है। बी-2 स्टील्थ बॉम्बर्स से लेकर फुल कैपेबिलिटी एयरक्राफ्ट कैरियर्स और साइप्रस से लेकर इजराइल तक...जिस तरह का मिलिट्री कॉर्डिनेशन अमेरिका ने तैयार किया है, उससे पता चलता है कि अमेरिका अब सिर्फ धमकी देने के मूड में नहीं है। अमेरिका ने ईरान से बातचीत से पहले जिस तरह से इस क्षेत्र में फोर्स तैनात की है, उससे आशंका है कि अगर ये बातचीत फेल होती है तो फिर क्या होगा परमाणु डील फेल होने पर अमेरिका करेगा क्या बड़ी कार्रवाई अमेरिका ने हिंद महासागर के डिएगो गार्सिया द्वीप में बी-2 स्टेल्थ बॉम्बर्स के 6 यूनिट तैनात कर दिए हैं। इसके अलावा इजराइल की रक्षा के लिए अमेरिकी थाड एयर डिफेंस सिस्टम को तैनात किया है और इतना सब करने के बाद अब अमेरिका ने अपने दूसरे एयरक्राफ्ट कैरियर को भी मिडिल ईस्ट की तरफ रवाना कर दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर मिडिल ईस्ट के करीब पहुंच चुका है। इसमें 90 फाइटर जेट्स और 6000 से ज्यादा चालक दल के सदस्य हैं। परमाणु समझौते को लेकर अमेरिका और ईरान के अधिकारियों के बीच यानी शनिवार को ओमान में बैठक होने वाली है। वहीं ईरानी के सरकारी टीवी चैनल ने घोषणा की थी कि ईरानी उप विदेश मंत्री अब्बास अराघची और अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के बीच ओमान में शनिवार की बैठक की कोई भी तस्वीर जारी नहीं की जाएगी। जिससे ये संकेत मिलते हैं कि ये बैठक आमने-सामने की बातचीत वास्तव में हो सकती है। जिससे पहले ईरान ने इनकार कर दिया था। एक डिप्लोमेटिक सूत्र ने बताया कि हूती विद्रोहियों के खिलाफ चल रहे अमेरिकी अभियान के बीच, जिन्हें ईरान का समर्थन हासिल है, ईरान इस क्षेत्र में अपने मिलिशिया के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। सूत्र के मुताबिक ईरान का मानना है कि उसके मिलिशिया अपने उद्देश्यों को पूरा करने में नाकाम रहे हैं और अब वह कम से कम अपने मिसाइल कार्यक्रम की सुरक्षा करना चाहता है।

बीबीआईएन मोटर वाहन समझौता प्रोटोकॉल तैयार, वर्ष

2015 में भूटान में मोटर वाहन समझौते पर हुए थे हस्ताक्षर

काठमांडू

बांग्लादेश, भूटान, भारत और नेपाल (बीबीआईएन) के बीच यात्री, व्यक्तिगत और कार्गो वाहनों के यातायात के आवागमन के लिए मोटर वाहन समझौते (एमवीए) पर हस्ताक्षर करने के एक दशक बाद, चार दक्षिण एशियाई देशों ने सुचारू परिवहन सुनिश्चित करने के लिए प्रोटोकॉल को अंतिम रूप दे दिया है। यह प्रोटोकॉल दक्षिण एशिया में अपनी तरह का पहला प्रोटोकॉल है। मोटर वाहन समझौते के अलावा बीबीआईएन देश क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा के लिए इंटरकनेक्टेड ग्रिड के बारे में भी सहमत हो सकते हैं।

बीबीआईएन-एमवीए का उद्देश्य यात्रियों, व्यक्तिगत और कार्गो वाहनों के यातायात के माध्यम से अंतर-क्षेत्रीय व्यापार और कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए बाधाओं और नियमों को दूर करना है। हालांकि हाल ही में भारत के द्वारा बांग्लादेश को दी गई महत्वपूर्ण ट्रांसशिपमेंट सुविधाओं को रद्द करने के भारत के हालिया फैसले से चार देशों के बीच एमवीए के निष्पादन में बाधा डाल सकती है। गौरतलब है कि बांग्लादेश के सड़क परिवहन और पुल मंत्री, भूटान के सूचना और संचार मंत्री, भारत के सड़क परिवहन और राजमार्ग और शिपिंग मंत्री और नेपाल के भौतिक बुनियादी ढांचे और परिवहन मंत्री ने 15 जून 2015 को थिम्पू, भूटान में बीबीआईएन मोटर वाहन समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। नेपाल के यातायात मन्त्रालय के सचिव केशव शर्मा के मुताबिक प्रोटोकॉल के अनुसार भूटान को छोड़कर तीन अन्य हस्ताक्षरकर्ता सभी प्रकार के वाहनों को उनके बीच चलने की अनुमति देंगे। इनमें कार्गो वाहन परमिट के तहत तीन श्रेणियों - हल्के वाणिज्यिक वाहन (7,500 किलोग्राम तक), मध्यम वाणिज्यिक वाहन (7,500-12,000 किलोग्राम) और भारी वाणिज्यिक वाहन (12,000 किलोग्राम से ऊपर) शामिल हैं। उन्होंने बताया कि प्रोटोकॉल को अंतिम रूप देने से पहले 2015 से लेकर 2018 तक कई चरण का परीक्षण किया गया। इसने दिखाया कि यात्रियों, व्यक्तिगत और कार्गो वाहनों के यातायात की निर्बाध आवाजाही संभव है। कार्गो ट्रायल रन नवंबर, 2015 में कोलकाता-ढाका-अगरतला मार्ग (600 किमी) के बीच आयोजित किया गया था। 29 अगस्त से 5 सितंबर 2016 तक ढाका और दिल्ली (1,780 किमी) के बीच,

जबकि 23 अप्रैल, 2018 को भारत के माध्यम से ढाका से काठमांडू तक एक यात्री बस को परीक्षण के रूप में चलाया गया था। बीबीआईएन-एमवीए के निष्पादन का समर्थन करने वाले एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अनुसार अब प्रस्तावित ट्रायल रन मार्ग काठमांडू-भैरहवा-सुनौली-लखनऊ-कानपुर-नई दिल्ली और नेपाल और भारत के बीच काठमांडू-बीरगंज-रक्सौल-कोलकाता हैं। इसी तरह काठमांडू-काँकडभिट्टा-पानीटंकी-सिलीगुड़ी-फुलबारी-बंगलाबांधा-मोंगला व चटोग्राम मार्ग नेपाल, भारत और बांग्लादेश के बीच एक परीक्षण मार्ग के रूप में प्रस्तावित है। संबंधित देशों के अधिकारियों ने मार्च 2022 में नई दिल्ली में मुलाकात की थी और मोटर वाहन समझौते को निष्पादित करने के लिए एक समयबद्ध कार्य योजना तैयार करने पर सहमति व्यक्त की है। इनमें अधिक परीक्षण करने का सुझाव दिया और एडीबी से परीक्षण का समर्थन करने का अनुरोध किया।

एमवीए के कॉन्सेप्ट पेपर के अनुसार बैंक ने बाद में एक तौर-तरीका प्रस्तावित किया था। ट्रायल रन बांग्लादेश, भारत और नेपाल के बीच या केवल दो देशों के बीच आयोजित किए गए थे। भूटान ने बीबीआईएन-एमवीए पर हस्ताक्षर किए हैं और प्रोटोकॉल को अपनी सहमति दी है लेकिन उसने ट्रायल रन में भाग नहीं लिया। एडीबी के कंट्री डायरेक्टर मखतूर खामुंदखनोव के मुताबिक एडीबी द्वारा बनाई जा रही एशियाई राजमार्ग एक गलियारा होगा जो बीबीआईएन-एमवीए के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एडीबी ने मार्ग सामंजस्य (मार्ग-आधारित मूल-गंतव्य विश्लेषण), मार्ग पहचान, शुल्क निर्धारण, सीमा पार वाहन बीमा और नेपाल के लिए बीबीआईएन निहितार्थ अध्ययन पर निष्कर्ष निकाला है। उन्होंने कहा कि नेपाल के पास चार भारतीय बंदरगाहों-कोलकाता, हल्दिया, विशाखापत्तनम और मुंद्रा तक सीधी पहुंच होगी। प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षरकर्ता दो साल के भीतर, समझौते के तहत चलने वाले वाहनों की कुशल ट्रैकिंग के लिए उपयुक्त सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर के साथ एक इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म स्थापित करेंगे। राष्ट्र वाहन और कार्गो आवाजाही की निगरानी और सुरक्षा उपायों के कार्यान्वयन के लिए एक साझा इलेक्ट्रॉनिक मंच स्थापित करेंगे। शर्त यह भी है कि वाहनों के चालक दल को हस्ताक्षरकर्ता देशों के नागरिक होना चाहिए। वे वैध पासपोर्ट या अन्य दस्तावेजों के आधार पर यात्रा करेंगे। जब सीमा पार यात्रा के लिए वीजा की आवश्यकता होती है, तो ड्राइवरों और चालक दल द्वारा वीजा के लिए आवेदन को समझौते के अनुसार जारी किए गए उसके क्रू पहचान पत्र को सत्यापित किया जाएगा।

नेतन्याहू के भड़कते हुए कनाडाई पीएम ने दे दी सफाई

तेल अवीव

गाज़ा संकट को लेकर कनाडा और इज़राइल के बीच राजनयिक तनाव देखने को मिल रहा है। वैसे कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने इजराइल के भड़कने के बाद अपने बयान पर सफाई दे दी है, लेकिन मामला शांत होता दिख नहीं रहा है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी द्वारा गाज़ा पर दिए गए एक बयान पर इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कड़ी आपत्ति जताई और बयान वापस लेने को कहते हुए कड़ी चेतावनी दे दी।

यहां बताते चलें कि कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी एक सार्वजनिक समारोह में बोल रहे थे, तभी एक फिलिस्तीन समर्थक व्यक्ति ने उन्हें बीच में टोका और कहा - गाज़ा में नरसंहार हो रहा है। इस पर जवाब देते हुए कार्नी ने कहा- मुझे पता है, इसीलिए हमारे यहां हथियारों पर प्रतिबंध है। पीएम कार्नी के इस बयान पर नेतन्याहू ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें बयान वापस लेने की नसीहत दे दी। उन्होंने लिखा, कि कनाडा ने हमेशा सभ्यता का पक्ष लिया है, इसलिए प्रधानमंत्री कार्नी को भी वही करना चाहिए। उन्हें अपना बयान तुरंत वापस लेना चाहिए। इज़राइल, जो कि एकमात्र यहूदी देश है, हमास के खिलाफ न्यायपूर्ण तरीके से लड़ रहा है। बढ़ते विवाद के बीच कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने सफाई दी है। पीएम कार्नी ने कहा कि भीड़ के शोर में सुनाई ही नहीं दिया कि गाजा शब्द के साथ नरसंहार भी कहा गया है। शोर अधिक था और उन्हें सिर्फ 'गाज़ा' शब्द ही सुनाई दिया, 'नरसंहार' शब्द सुनाई ही नहीं दिया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका बयान किसी विशेष स्थिति का समर्थन या विरोध से जुड़ा हुआ नहीं था।

यूक्रेन-रूस युद्ध समाप्ति को बातचीत सही दिशा की ओरः ट्रम्प

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध समाप्ति के लिए बातचीत शायद सही दिशा की ओर जा रही है। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक एयर फोर्स वन में ट्रम्प ने पत्रकारों से कहा कि युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत का सिलसिला शुरू हो चुका है, जो कि ठीक दिशा की ओर जा रहा है। लेकिन ऐसा समय भी आता है जब आपको कुछ कर दिखाना होता है। या फिर चुप हो जाना होता है। डोनाल्ट ट्रम्प का बयान ऐसे समय आया है, जब बीते दिनों अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकाफ ने सलाह दी थी कि यदि अमेरिका यूक्रेन बंटवारे वाली रूस की शर्त मान लेता है तो युद्ध विराम संभव है। इस बयान को लेकर खलबली देखी गई थी लेकिन अब डोनाल्ड ट्रम्प के हाल के बयान के बाद इसे अमेरिका की ओर से एक तरह के यूक्रेन-रूस युद्ध के मुद्दे पर उनका पक्ष माना जा रहा है।

म्यांमार में फिर लगे भूकंप के तेज झटके 5.1 रही तीव्रता.....लोग घरों से भागे

नेपीडॉ

म्यांमार में रविवार सुबह एक बार फिर भूकंप के तेज झटकों ने लोगों को हिला कर रख दिया। सुबह 7 बजकर 54 मिनट पर आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.1 मापी गई है। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था।

म्यांमार में एक बार फिर आए भूकंप के झटकों के बीच राहत की खबर यह रही कि इस बार किसी जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन अचानक आए झटकों के कारण लोग भयभीत होकर अपने घरों से बाहर निकल आए। इस भूकंप के तीव्र झटके ऐसे समय में महसूस हुए हैं जबकि 28 मार्च को म्यांमार में आए विनाशकारी भूकंप की त्रासदी अभी भी लोगों के जेहन में ताज़ा है। उस समय 7.7 तीव्रता वाले भूकंप ने मांडला क्षेत्र को बुरी तरह झकझोर दिया था। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस त्रासदी में करीब 3600 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 5000 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

संचार तंत्र पर भी पड़ा असर

भूकंप से म्यांमार के मोबाइल संचार तंत्र को भी भारी नुकसान पहुंचा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कुल 6730 संचार स्टेशन प्रभावित हुए, जिनमें से

अब तक करीब 6000 की मरम्मत की जा चुकी है।

दुनियाभर से मिल रही है मदद

म्यांमार में आई इस आपदा के बाद भारत, अमेरिका, चीन जैसे देशों ने अपने राहत एवं बचाव दल भेजे हैं। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भी चिकित्सा सहायता और आवश्यक संसाधन मुहैया कराए हैं।

रविवार सुबह आए भूकंप से लोगों की चिंता बढ़ गई। मेइकतिला शहर में रविवार सुबह आए 5.5 तीव्रता के भूकंप का केंद्र मांडले और नैपीदा के बीच जमीन से 10 किमी नीचे था। फिलहाल इस भूकंप से किसी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं है। स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि क्षेत्र में बार-बार आ रहे भूकंपों को देखते हुए सतर्कता बनाए रखना बेहद जरूरी है।

इजराइल ने सेंट्रल गाजा स्थित अस्पताल में किए हवाई हमले, इमरजेंसी वार्ड तबाह, राफा से कटा गाजा का संपर्क

गाजा पट्टी

इजराइल ने गाजा पर हमले और तेज कर दिए हैं, जिससे स्थिति और भी भयावह हो गई है। शनिवार देर रात इजराइली सेना ने सेंट्रल गाजा स्थित अल-अहली अरब बैपटिस्ट अस्पताल को निशाने पर लेते हुए हमले किए हैं। अस्पताल स्टाफ के अनुसार, परिसर की एक बिल्डिंग पर दो मिसाइलें दागी गईं, जिससे इमरजेंसी और रिसेप्शन विभाग पूरी तरह नष्ट हो गया।

स्थानीय सूत्रों ने बताया कि हमले से ठीक पहले अस्पताल प्रशासन को एक फोन कॉल आया, जिसमें इमारत खाली

करने को कहा गया। कॉल के कुछ ही मिनट बाद विस्फोट हुआ, जिससे आसपास की इमारतों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। इजराइली सेना की ओर से अभी तक इस हमले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। हालांकि पहले इजराइल की ओर से दावा किया गया था कि उसी इलाके से उस पर रॉकेट दागे गए थे।

राफा का संपर्क गाजा पट्टी से टूटा

इस बीच इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज़ ने पुष्टि की है कि इजराइली डिफेंस फोर्स ने मोराग कॉरिडोर पर कब्जा कर लिया है। यह कॉरिडोर गाजा के दक्षिण में स्थित एक रणनीतिक रास्ता है जो राफा को गाजा पट्टी के बाकी हिस्सों से जोड़ता है। इससे अब राफा पूरी तरह अलग-थलग पड़ गया है। इसके साथ ही काट्ज़ ने गाजा के निवासियों को चेतावनी देते हुए कहा है, कि यह हमास को खत्म करने और बंधकों की रिहाई के लिए अंतिम मौका है। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो यही हाल गाजा के अन्य हिस्सों का भी होगा।

इस प्रकार से इलराइल द्वारा लगातार हो रहे हमलों से गाजा में मानवीय संकट गहरा गया है। अस्पतालों पर हमले और नागरिक इलाकों में हो रही तबाही ने राहत और बचाव कार्यों को और मुश्किल बना दिया है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें अब इस भयावह युद्ध के रुकने पर टिकी हुई हैं।

शख्स ने किया तीन बार मरकर लौटने का दावा

लंदन। सदियों से इंसान यह जानने की कोशिश कर रहा है कि मृत्यु के बाद क्या होता है, लेकिन अब तक इस सवाल का कोई ठोस और सार्वभौमिक जवाब नहीं मिला है। आमतौर पर वही कहानियां सामने आती हैं जो उन लोगों ने बताई हैं जो कुछ पल के लिए मौत के करीब जाकर लौट आए हैं। इन्हीं अनुभवों को आधार बनाकर लोग जीवन के उस रहस्य को समझने की कोशिश करते हैं जो मौत के बाद शुरू होता है। कुछ लोगों को यह अनुभव सुखद लगता है, तो कुछ ने डरावनी कहानियां भी सुनाई हैं। ऐसे ही एक शख्स हैं डैनियन ब्रिंक्ले, जिन्होंने दावा किया है कि वे तीन बार मरकर फिर जिंदा हुए हैं। 74 वर्षीय डैनियन ने अपनी जिंदगी और मृत्यु के अनुभवों को किताब के रूप में दुनिया के सामने रखा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पहली बार 1975 में उन पर टेलीफोन का खंभा गिर गया था, जिसके चलते वे 28 मिनट तक मृत रहे और फिर लौट आए। दूसरी बार 1989 में उनकी ओपन हार्ट सर्जरी के दौरान मौत हुई, लेकिन वे फिर जीवित हो गए। तीसरी बार ब्रेन सर्जरी के वक्त उनकी मृत्यु हुई, परंतु फिर से उन्हें जीवन मिल गया। अपने पहले अनुभव के बारे में डैनियन ने बताया कि उन्हें एक अंधेरी सुरंग से होकर गुजरना पड़ा, जिसके बाद वे एक चमकदार जगह पर पहुंचे। वहां उन्हें अपने पूरे जीवन की घटनाएं एक-एक कर फ्लैशबैक में दिखाई दीं। इसके बाद एक चमकदार रौशनी के साथ वे वापस लौट आए। दूसरी बार की मौत के बाद वे एक कांच जैसे शहर पहुंचे, जिसे उन्होंने स्वर्ग बताया। वहां फरिश्तों ने उन्हें अध्यात्मिक और मानसिक शक्ति के उपयोग के तरीके सिखाए। इन अनुभवों के बाद डैनियन अब लोगों को सलाह देते हैं कि मौत उतनी डरावनी नहीं है जितना हम उसे समझते हैं।